कुमावत प्रगति ट्रस्ट का गठन

कुछ संवेदनशील समाजसेवी जो कि समाज के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक विकास के लिए जागरूक थे, उनके दिमाग में एक ऐसे संगठन की स्थापना का विचार आया जो कि समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर सके। ऐसे में एक ट्रस्ट के गठन का निर्णय लिया गया। जिसके अधीन सामाजिक विकास की विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा सके। समाज के वरिष्ठ एवं युवा महिला–पुरूष वर्ग के विचार आमंत्रित किये गये। सभी की सकारात्मक सहमति के साथ दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को दीपावली के पावन दिन ''कुमावत प्रगति ट्रस्ट'' का गठन हुआ। संगठन का विधिवत रजिस्ट्रेशन करवाया गया। इसके संस्थापक ट्रस्टी सर्व श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा), श्री हेमचन्द्र खडक्टा, श्री सी. एम. कुमावत (बड़ीवाल), श्री रमेशचन्द कुमावत (गैदर) एवं श्री विजयपाल मारवाल थे।

ट्रस्ट ने अपने कुछ लक्ष्य निर्धारित किये जिनमें 1. समाज को नयी दिशा देना 2. युवा शक्ति व समाज प्रतिभाओं को आगे लाने एवं उनका उन्नयन एवं विकास करना 3. समाज में एकजुटता लाना, विकास हेतु विस्तृत दृष्टिकोण उत्पन्न करना, किसी भी प्रकार की कुरीतियाँ एवं आपसी मतभेद यदि हों तो उनका निवारण करना 4. सुसंस्कृत, सुदृढ और शिक्षित समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करना मुख्य हैं।

संगठन के सुलभ संचालन की दृष्टि से विधि के अनुसार संख्या में ट्रस्टी, व्यवस्थापक मण्डल के सदस्यों को मनोनीत किया गया, जिसमें वरिष्ठ एवं अनुभवी समाजसेवियों के साथ साथ जुझारू एवं कर्मठ युवाओं को संगठित किया गया।

अपने प्रथम प्रयोग में ट्रस्ट ने सामाजिक गतिविधियों पर आधारित एक पत्रिका ''कुमावत इंडिया'' के प्रकाशन का निर्णय लिया जो समाज हित में पहले से चले आ रहे विभिन्न प्रकाशनों की श्रृंखला में एक कड़ी के रूप में जुड सके।

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका का उद्देश्य

यद्यपि आज के परिपेक्ष में सोशल मीडिया हर आयु वर्ग के मनुष्य के मस्तिष्क में अपना साम्राज्य जमाये हुए है किन्तु जीवन प्रगतिशील है, इलेक्ट्रोनिक गैजेट्स नित अपना अस्तित्व बदलते रहते हैं। यदि इतिहास की दृष्टि से स्मृतियों को चिरकालीन और स्थायी रखना है तो उनका प्रकाशन अनिवार्य है। ऐसी ऐतिहासिक धरोहरों को संजोने में नालन्दा का पुस्तकालय, राजस्थान के टोंक में स्थित अरबी–फारसी पुस्तकालय विश्व प्रसिद्ध हैं।

इसी भावना को दृष्टिगत रखते हुए देश–प्रदेश और विदेश स्तर पर समाज की गतिशीलता एकजाही कर प्रकाशित एवं प्रसारित करने तथा वर्तमान गतिविधियों को चिरस्मृतियों के रूप में संजोने के उद्देश्य से **कुमावत प्रगति ट्रस्ट** की एक शाखा ''**कुमावत इंडिया**'' पत्रिका के रूप में विकसित की गयी।

साहित्य समाज का दर्पण है तथा सामाजिक पत्रिकाओं के माध्यम से समाज की दशा व दिशा में समयानुकूल परिवर्तन कर समाज को विकासोन्मुख बनाने में मदद मिलती है। यह ट्रस्ट समाज में कार्य कर रहे अन्य किसी भी सामाजिक संस्था, संगठन और ट्रस्ट से प्रतिस्पर्धा एवं विरोध नहीं रखता है। सम्भवतः किन्हीं मुद्दों पर मतभेद अवश्य हो सकते हैं किन्तु ट्रस्ट समाज हित में सदैव ही समर्पित है।

पत्रिका का सम्पादक मण्डल एवं संचालन में सहयोग करने वाले समस्त सदस्य कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति समर्पित भाव रखते हैं और सामाजिक कुरीतियों का निवारण करते हुए सुसंस्कृत एवं संवेदनशील समाज निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समाज की उदयमान प्रतिभाओं के उन्नयन के लिए उन्हें सहयोग देकर तराशना होगा। समाज की प्रतिभाएं जिन्हें जिला, राज्य, राष्ट्र एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का परचम फरहाने पर सम्मानित किया गया है अथवा उनके योगदान को सराहा गया है, को समाज के परिज्ञान में लाना होगा, जिससे उन्हें समाज में उचित मान, सम्मान और पहचान मिल सके तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरणा मिले।

पत्रिका में सामाजिक गतिविधियों के समाचार, प्रेरक कथाएं, कविताएं, विषय विशेषज्ञों के विचार, समाज के उत्थान सम्बंधी सुझाव, सरकारी योजनाओं की जानकारी एवं मार्गदर्शन, विवाह योग्य युवक/युवतियों का विवरण, समाजिक प्रतिभाओं की जीवनियाँ आदि विषय सम्मिलित हैं।

पत्रिका की मूल भावना पत्रकारिता के सिद्धान्तों के अनुरूप– प्रेरणास्पद, ज्ञानास्पद, निष्पक्ष, निःस्वार्थ और बेबाक प्रकाशन रखी गयी।

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका

प्रारम्भ से :–

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका के प्रथम अंक का विमोचन जगतपुरा, जयपुर पर स्थित इस्कॉन मंदिर ''अक्षय पात्र'' के पावन परिसर में आदरणीय श्री अनंतशेष प्रभु व सुश्री उर्मिला कुमावत, आर.जे.एस. द्वारा समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दिनांक 20 अगस्त, 2017 को हुआ। इस समारोह के प्रारम्भ में राष्ट्रीय कवि श्री बनज कुमार 'बनज' ने सरस्वती वंदना व कविता पाठ किया। प्रभुजी श्री अनंत शेष जी ने सद्मार्ग, धर्म, आध्यात्म व सामाजिक उत्तरदायित्वों को समझाया। इस अवसर पर समाजसेवी व भामाशाह श्री भींवाराम एवं श्री पन्नालाल (कॉन्ट्रेक्टर), श्री नरेन्द्र कुमार आर्य (ब्यावर), श्री मनीष कुमावत (एड्वोकेट) व श्री विजयपाल मारवाल ने विचार प्रकट किये। समारोह में मंच का संचालन श्री रमेश कुमावत (गैदर) द्वारा किया गया। उपस्थित समाज बंधुओं ने पत्रिका के प्रथम अंक में प्रकाशित सामग्री व पत्रिका के पेपर तथा प्रिंटिंग क्वालिटि को सराहा एवं पत्रिका की सफलता की कामना की।

अगस्त, 2017 से पत्रिका का निरंतर प्रकाशन जारी है। पत्रिका ने अक्टूबर–नवम्बर, 2018 अंक ''शिक्षा व राजनीति'' विशेषांक, अगस्त–सितम्बर, 2019 अंक ''स्वतंत्रता सैनानी'' विशेषांक के रूप में प्रकाशित किये।

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका ने समाज के प्रतिभावान व्यक्तित्वों को समय–समय पर समारोहपूर्वक सम्मानित कर उनका एवं उनसे प्रेरित होने वालों का उत्साहवर्धन किया है।

इस कडी में सर्व प्रथम 13 जनवरी, 2018 को जादूगर आँचल कुमावत, जादूगर गुरू कुमावत, श्री पवन कुमावत (इंटरनेशनल वेटलिफ्टर), श्री सुरेश कुमावत (वेटलिफ्टर), सुश्री प्रियंका कुमावत (बैडमिंटन प्लेयर), सुश्री रेणुका कुमावत (कर्राटे), मास्टर हनी (तीरंदाजी) व श्री मनीष कुमावत (वॉलीबॉल प्लेयर) को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही आई.ए.एस. अधिकारी श्री शंकर लाल कुमावत, ज्योतिषाचार्य श्री लोकेश कुमावत एवं आई.पी.एस. अधिकारी श्री हिम्मत अभिलाष टांक को अपने–अपने कार्यक्षेत्र में समाज का नाम रौशन करने के लिए सम्मानित किया गया।

''कुमावत इंडिया'' की महिला विंग ने भव्य होली मिलन समारोह–2019 आयोजित किया। समारोह के आयोजन के लिए श्री अरूण कसुम्बीवाल ने अपना कूकस, जयपुर स्थित रिसोर्ट रानी बाग निःशुल्क उपलब्ध कराया। समारोह की विशेषता यह थी, कि महिलाओं द्वारा आयोजित इस समारोह में मंचासीन अतिथिगण भी महिलाएं ही थीं। इस अवसर पर समाज की प्रथम सी.ए. बनी महाराष्ट्र की श्रीमती अनुराधा किरोडीवाल को सम्मानित किया गया।

4 अक्टूबर, 2019 को ''शिक्षा व राजनीति'' विशेषाक का विमोचन कुमावत स्कूल, सोडाला, जयपुर परिसर में कुमावत समाज महासभा के महामंत्री श्री छोटूराम बडीवाल, उदयपुर के वरिष्ठ समाजसेवी श्री गिरधारीलाल सिंघनवाल, राजकीय महाविद्यालय, थानागाजी से से.नि. प्रिंसिपल श्री अजय वर्मा, हैंडीक्राफ्ट व्यवसायी श्री सूरजमल अनावडिया के कर कमलों से हुआ। इस अवसर पर सेवानिवृत्त मेजर जनरल श्री जे.के. मारवाल, शिल्प गुरू पदक से सम्मानित श्री बाबूलाल मारोठिया, उदयमान लेखक श्री मुकेश कुमावत (बोराज), जेम्स कार्विंग नेशनल अवार्ड से सम्मानित श्री अमृत सिरोहिया व योग के लिए लिम्का बुक ऑफ गिनीज रिकार्ड में अपना नाम दर्ज करवा चुके श्री दीपक कुमावत का सम्मान किया गया।

15 मार्च, 2020 को ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका ने ''होली मिलन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह'' रंगोली गार्डन, सिरसी रोड़ जयपुर में आयोजित किया। समारोह में सूरत के श्री शुभकरण किरोडीवाल मुख्य अतिथि, एड्वोकेट श्री प्रेमचन्द समारोह अध्यक्ष थे। समारोह में पद्मश्री पदक से सम्मानित दांता के कृषि वैज्ञानिक श्री सुंडा राम वर्मा, पिलानी के वरिष्ठ मूर्तिकार श्री मातूराम कुमावत, अन्तर्राष्ट्रीय वेटलिफ्टर श्री पवन कुमावत व बैडमिंटन प्लेयर सुश्री अंशिका कुमावत को विशेष कप से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जेम स्टोन कॉर्निंग आर्टिस्ट श्री पृथ्वीराज कुमावत एवं श्री अमृत सिरोहिया, आर.जे.एस. श्री ईश्वर लाल कुमावत तथा असहाय बच्चों को शिक्षण से जुडी श्रीमती विमला कुमावत का सम्मान किया गया।

वैष्विक महामारी कोविड–19 की रोकथाम के लिए सम्पूर्ण देश में लगाये गये लॉक डाउन के दौरान जहाँ अनेकों पत्र–पत्रिकाओं ने अपने अंक प्रकाशित नहीं किये वहीं ''कुमावत इंडिया'' ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने सूत्रों से सम्पर्क बनाये रखा और मार्च, अप्रैल एवं मई, 2020 तीन माह की डिजिटल पत्रिका व्हाट्स एप के माध्यम से प्रसारित की तथा मई, 2020 में जैसे ही प्रिंटिंग प्रेस प्रारम्भ हुई मार्च से मई, 2020 का संयुक्तांक प्रकाशित कर सभी सदस्यों को प्रेषित किया।

पत्रिका के स्थायी स्तम्भ कुमावत गौरव में उल्लेखनीय उपलब्धी अर्जित करने वाले समाजजनों का परिचय, कानून की जानकारी, विवाह योग्य युवक–युवतियों का संक्षिप्त परिचय, श्रद्धान्वत में विशिष्ट कार्य करने वाले दिवंगत समाज जनों का परिचय प्रकाशित किये जाते हैं। इन सूचनाओं एवं लेखों से समाजजन लाभान्वित व प्रेरित हुए हैं। ट्रस्ट के माध्यम से यह कार्य निरन्तर जारी रहेगा।

प्रकाशन में नवाचार के सुझाव सदैव स्वागत योग्य हैं। समाज बन्धु अपने मौलिक एवं अप्रकाशित विचार, रचनाएं, लेख एवं आर्टिकल उपलब्ध करवाकर पत्रिका में योगदान दे सकते हैं। समाज सिर्फ पुरूषों से नहीं, वरन महिलाएं एक सभ्य एवं सुसंस्कृत समाज की नींव हैं,

अतः महिलाओं से विशेष निवेदन है कि वे भी अपनी लेखनी का प्रभाव प्रस्तुत कर समाज की उन्नति में अपना योगदान अवश्य दें।